चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अजीत समाचार	28.3.23	5	3-6

एनएसएस कार्यशाला से मिलेगा स्वच्छता के प्रति जागरूकता का संदेश : प्रो. काम्बोज

हिसार, 27 मार्च (विरेन्द्र वर्मा): चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के मौलिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय के सभागार में स्वच्छता विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया, जिसमें मुख्यातिथि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर काम्बोज उपस्थित हुए। इसका आयोजन क्षेत्रीय निदेशालय एनएसएस, दिल्ली व एचएयू के छात्र कल्याण निदेशालय द्वारा संयुक्त रूप से किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत सरस्वती वंदना व एनएसएस गीत से की गई। मुख्यातिथि प्रो. बी.आर काम्बोज ने कहा देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 2 अक्टूबर 2014 को स्वच्छता मुहिम की शुरुआत की थी, जिसका पहला चरण 2019 में समाप्त हुआ, जिससे देश की स्वच्छता मानकों में काफी सुधार देखा गया है। विशेष बात यह है कि एनएसएस स्वयंसेवक जगह-जगह स्वच्छता शिविर लगाकर व कार्यशाला आयोजित करके स्वच्छता की इस महत्वपूर्ण मुहिम को लगातार आगे बढ़ाकर आमजन तक स्वच्छता का संदेश पहुंचा रहे हैं। उन्होंने बताया कि स्वस्थ शरीर में स्वच्छ मन निवास करता है लेकिन आजकल युवा शक्ति को मानसिक स्वच्छता का विकास करने की जरूरत है। समाज में फैली कुरीतियों को दूर करने व समाज में सकारात्मक बदलाव लाने में युवा शक्ति का अहम रोल होता है। तभी युवा शक्ति के प्रयासों से समाज का उत्थान हो सकेगा। उन्होंने बताया कि एचएयू की एनएसएस ईकाईयों ने भी ग्राम, खंड, जिला, राज्य स्तर पर एनएसएस शिविर लगाकर स्वच्छता का संदेश दिया है। साथ ही कुलपति ने विद्यार्थियों की क्षमताओं को पूर्ण विकसित करने के लिए गुरु-शिष्य के अच्छे आपसी रिश्ते के महत्व पर भी प्रकाश डाला ताकि स्वयंसेवकों का चहुंमुखी विकास हो सकें। छात्र कल्याण निदेशक डॉ. अतुल ढींगड़ा ने बताया कि विद्यार्थियों का सर्वांगिण विकास जरूरी है, जिसमें स्वच्छता मुहिम जैसी गतिविधियों का अहम योगदान होता है। उन्होंने बताया कि स्वच्छता का सीधा संबंध स्वास्थ्य से है। यदि हमारे आसपास का वातावरण स्वच्छ होगा तो इसका हमारे स्वास्थ्य पर अच्छा प्रभाव पड़ेगा। इसलिए एनएसएस स्वयंसेवक स्वच्छता अभियान चलाकर, वृक्षारोपण करके व जागरूकता रैली निकालकर अपने दायित्व को निभा रहे हैं। राष्ट्रीय सेवा योजना अवार्डी व कार्यक्रम को-ओर्डिनेटर डॉ. भगत सिंह ने सभी का स्वागत किया व कार्यशाला की रूपरेखा बताई। मौलिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय व मत्स्य विज्ञान महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. नीरज कुमार ने धन्यवाद प्रस्ताव पारित किया। इस कार्यशाला में दिल्ली से आए राष्ट्रीय स्तर के स्वच्छता अभियान के को-ओर्डिनेटर शत्रुघ्न भारद्वाज व हिसार के नेहरू युवा केंद्र के डिप्टी डायरेक्टर डॉ. नरेंद्र यादव सहित अन्य वक्ताओं ने विभिन्न सत्रों में स्वयंसेवकों को स्वच्छता विषय पर अहम जानकारियां दी। इस अवसर पर अनुसंधान निदेशक डॉ. जीतराम शर्मा, स्नातकोत्तर अधिष्ठाता डॉ. केडी शर्मा, कृषि महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. एसके पाहुजा, गृह-विज्ञान महाविद्यालय की अधिष्ठाता डॉ. मंजू मेहता सहित अन्य विभागाध्यक्ष भी मौजूद रहे। मंच का संचालन एनएसएस स्वयंसेविका निधि ने किया। दोपहर बाद स्वयंसेवकों ने स्वच्छता विषय पर वाद-विवाद प्रतियोगिता, पोस्टर मेकिंग व स्लोगन राईटिंग प्रतियोगिता में बढ़-चढ़कर भाग लिया। साथ ही स्वयंसेवकों ने रैली निकालकर लोगों को अपने आसपास स्वच्छता रखने व स्वस्थ रहने का संदेश भी दिया।

स्वयं सेवकों को संबोधित करते हुए कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पंजाब केसरी	28.3.23	4	1-2

स्वयंसेवकों को संबोधित करते कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज।

एन.एस.एस. कार्यशाला से मिलेगा स्वच्छता के प्रति जागरूकता का संदेश : प्रो. काम्बोज

हिसार, 27 मार्च (ब्यूरो): चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के मौलिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय के सभागार में स्वच्छता विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया, जिसमें मुख्यातिथि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर काम्बोज उपस्थित हुए। इसका आयोजन क्षेत्रीय निदेशालय एन.एस.एस., दिल्ली व एच.ए.यू.के छात्र कल्याण निदेशालय द्वारा संयुक्त रूप से किया गया।

मुख्यातिथि प्रो. बी.आर काम्बोज ने कहा कि समाज में फैली कुरीतियों को दूर करने व समाज में सकारात्मक बदलाव लाने में युवा शक्ति का अहम रोल होता है। तभी युवा शक्ति के प्रयासों से समाज का उत्थान हो सकेगा। कुलपति ने विद्यार्थियों की क्षमताओं को पूर्ण विकसित करने के लिए गुरु-शिष्य के अच्छे आपसी रिश्ते के महत्व पर भी प्रकाश डाला, ताकि स्वयंसेवकों का चहुंमुखी विकास हो सके।

छात्र कल्याण निदेशक डॉ. अतुल ढींगड़ा ने बताया कि विद्यार्थियों का सर्वांगिण विकास जरूरी है, जिसमें स्वच्छता मुहिम जैसी गतिविधियों का अहम योगदान होता है। राष्ट्रीय सेवा योजना अवार्डी व कार्यक्रम को-ऑर्डिनेटर डॉ. भगत सिंह ने सभी का स्वागत किया व कार्यशाला की रूपरेखा बताई। दिल्ली से आए राष्ट्रीय स्तर के स्वच्छता अभियान के को-ऑर्डिनेटर शत्रुघ्न भारद्वाज व हिसार के नेहरू युवा केंद्र के डिप्टी डायरेक्टर डॉ. नरेंद्र यादव सहित अन्य वक्ताओं ने विभिन्न सत्रों में स्वयंसेवकों को स्वच्छता विषय पर अहम जानकारियां दी। साथ ही स्वयंसेवकों ने रैली निकालकर लोगों को स्वच्छता रखने व स्वस्थ रहने का संदेश भी दिया।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
सच कहूँ	28.3.23	5	4-8

स्वच्छता विषय पर आयोजित एक दिवसीय एनएसएस कार्यशाला में 150 स्वयंसेवकों ने लिया भाग

एनएसएस कार्यशाला से मिलेगा स्वच्छता के प्रति जागरूकता का संदेश: कंबोज

हिसार (सच कहूँ/सरदाना)। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के मौलिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय के सभागार में स्वच्छता विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया, जिसमें मुख्यातिथि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर काम्बोज उपस्थित हुए। इसका आयोजन क्षेत्रीय निदेशालय एनएसएस, दिल्ली व एचएयू के छात्र कल्याण निदेशालय द्वारा संयुक्त रूप से किया गया। कार्यक्रम की शुरूआत सरस्वती वंदना व एनएसएस गीत से की गई।

हिसार। स्वयंसेवकों को संबोधित करते कुलपति प्रो. बी.आर कंबोज

मुख्यातिथि प्रो. बी.आर कंबोज ने कहा देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 2 अक्टूबर 2014 को स्वच्छता मुहिम की शुरूआत की थी, जिसका पहला चरण 2019 में समाप्त हुआ, जिससे देश की स्वच्छता मानकों में काफी सुधार देखा गया है। विशेष बात यह है कि एनएसएस स्वयंसेवक जगह-जगह स्वच्छता शिविर लगाकर व कार्यशाला आयोजित करके स्वच्छता की इस महत्वपूर्ण मुहिम को लगातार आगे बढ़ाकर आमजन तक स्वच्छता का संदेश पहुंचा रहे हैं। उन्होंने बताया कि स्वस्थ शरीर में स्वच्छ मन निवास करता है लेकिन आजकल युवा शक्ति को मानसिक स्वच्छता का विकास करने की जरूरत है। समाज में फैली कुरीतियों को दूर करने व समाज में सकारात्मक बदलाव लाने में युवा शक्ति का अहम रोल होता है। तभी युवा शक्ति के प्रयासों से समाज का उत्थान हो सकेगा। उन्होंने बताया कि एचएयू की एनएसएस इकाईयों ने भी ग्राम, खंड, जिला, राज्य स्तर पर एनएसएस शिविर लगाकर स्वच्छता का संदेश दिया है। साथ ही कुलपति ने विद्यार्थियों की क्षमताओं को पूर्ण विकसित करने के लिए गुरु-शिष्य के अच्छे आपसी रिश्ते के महत्व पर भी प्रकाश डाला ताकि स्वयंसेवकों का चहुंमुखी विकास हो सके। छात्र कल्याण निदेशक डॉ. अतुल ढींगड़ा ने बताया कि विद्यार्थियों का सर्वांगिण विकास जरूरी है, जिसमें स्वच्छता मुहिम जैसी गतिविधियों का अहम योगदान होता है।

राष्ट्रीय सेवा योजना अधिकारी व कार्यक्रम को-ओर्डिनेटर डॉ. भगत सिंह ने सभी का स्वागत किया व कार्यशाला की रूपरेखा बताई। मंच का संचालन एनएसएस स्वयंसेविका निधि ने किया। दोपहर बाद स्वयंसेवकों ने स्वच्छता विषय पर वाद-विवाद प्रतियोगिता, पोस्टर मेकिंग व स्लोगन राईटिंग प्रतियोगिता में बढ़-चढ़कर भाग लिया। साथ ही स्वयंसेवकों ने रैली निकालकर लोगों को अपने आसपास स्वच्छता रखने व स्वस्थ रहने का संदेश भी दिया।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
हरि भूमि	28.3.23	12	5-8

कार्यशाला से मिलेगा स्वच्छता का संदेश

- स्वच्छता विषय पर आयोजित एक दिवसीय एनएसएस कार्यशाला में 150 स्वयंसेवकों ने भाग लिया

हरिभूमि न्यूज ⏭ हिसार

हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के मौलिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय के सभागार में स्वच्छता विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया, जिसमें मुख्यातिथि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर काम्बोज उपस्थित हुए। इसका आयोजन क्षेत्रीय निदेशालय एनएसएस, दिल्ली व एचएयू के छात्र कल्याण निदेशालय द्वारा संयुक्त रूप से किया गया। कार्यक्रम की शुरूआत सरस्वती वंदना व एनएसएस गीत से की गई। मुख्यातिथि प्रो. बी.आर काम्बोज ने कहा देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 2 अक्टूबर 2014 को स्वच्छता मुहिम की शुरुआत की थी, जिसका पहला चरण 2019 में समाप्त हुआ, जिससे देश की स्वच्छता मानकों में काफी सुधार देखा गया है। विशेष बात यह है कि एनएसएस स्वयंसेवक जगह-जगह स्वच्छता शिविर लगाकर व कार्यशाला आयोजित करके स्वच्छता की इस महत्वपूर्ण मुहिम को लगातार आगे बढ़ाकर आमजन तक स्वच्छता का संदेश पहुंचा रहे हैं। उन्होंने बताया कि स्वस्थ शरीर में स्वच्छ मन निवास करता है।

हिसार। स्वयंसेवकों को संबोधित करते कुलपति प्रो. बी.आर काम्बोज।

बताई रूपरेखा

राष्ट्रीय सेवा योजना अधिकारी व कार्यक्रम को-ऑर्डिनेटर डॉ. भगत सिंह ने सभी का स्वागत किया व कार्यशाला की रूपरेखा बताई। निदेशक डॉ. अतुल ढींगड़ा, डॉ. नीरज कुमार, दिल्ली से आए राष्ट्रीय स्तर के स्वच्छता अभियान के को-ऑर्डिनेटर राहुल भारद्वाज, नेहरू युवा केंद्र के डिप्टी डायरेक्टर डॉ. नरेंद्र यादव, अनुसंधान निदेशक डॉ. जीतराम शर्मा, स्नातकोत्तर अधिष्ठाता डॉ. केडी शर्मा, कृषि महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. एसके पाहुजा, गृह-विज्ञान महाविद्यालय की अधिष्ठाता डॉ. मंजू सेहता सहित अन्य विभागाध्यक्ष भी मौजूद रहे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक भास्कर	28.3.23	2	4-6

• एक दिवसीय कार्यशाला में 150 स्वयंसेवकों ने लिया हिस्सा

एनएसएस कार्यशाला से मिलेगा स्वच्छता के प्रति जागरूकता का संदेश : प्रो. काम्बोज

सिटी रिपोर्टर • चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के मौलिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय के सभागार में स्वच्छता विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया, जिसमें मुख्यातिथि एचएयू के कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज उपस्थित हुए। इसका आयोजन क्षेत्रीय निदेशालय एनएसएस, दिल्ली व एचएयू के छात्र कल्याण निदेशालय ने संयुक्त रूप से किया। कार्यक्रम की शुरुआत सरस्वती वंदना व एनएसएस गीत से की गई। दोपहर बाद स्वयंसेवकों ने स्वच्छता विषय पर वाद-विवाद प्रतियोगिता, पोस्टर मेकिंग व स्लोगन राईटिंग प्रतियोगिता में बढ़-चढ़कर भाग लिया। साथ ही स्वयंसेवकों ने रैली निकालकर लोगों को अपने आसपास स्वच्छता रखने व स्वस्थ रहने का संदेश भी दिया।

मुख्यातिथि प्रो. बीआर काम्बोज ने कहा कि देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 2 अक्टूबर 2014 को स्वच्छता मुहिम की शुरुआत की थी, जिसका पहला चरण 2019 में समाप्त हुआ, जिससे देश की स्वच्छता मानकों में काफी सुधार देखा गया है। छात्र कल्याण निदेशक डॉ. अतुल ढींगड़ा ने बताया कि विद्यार्थियों का सर्वांगिण विकास जरूरी है, जिसमें स्वच्छता मुहिम जैसी गतिविधियों का अहम योगदान होता है।

राष्ट्रीय सेवा योजना अवॉर्डी व कार्यक्रम को-ओर्डिनेटर डॉ. भगत सिंह ने सभी का स्वागत किया। मौलिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय व मत्स्य विज्ञान महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. नीरज कुमार ने धन्यवाद प्रस्ताव पारित किया। इस कार्यशाला में दिल्ली से आए राष्ट्रीय स्तर के स्वच्छता अभियान के को-ओर्डिनेटर शत्रुघ्न भारद्वाज व हिसार के नेहरू युवा केंद्र के डिप्टी डायरेक्टर डॉ. नरेंद्र यादव सहित अन्य वक्ताओं ने स्वच्छता विषय पर जानकारियां दी।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक हिसार	28.03.2023	-------	--------

एनएसएस कार्यशाला से मिलेगा स्वच्छता के प्रति जागरूकता का संदेश : प्रो. बी.आर काम्बोज

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के मौलिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय के सभागार में स्वच्छता विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया, जिसमें मुख्यातिथि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर काम्बोज उपस्थित हुए। इसका

आयोजन क्षेत्रीय निदेशालय एनएसएस, दिल्ली व एचएयू के छात्र कल्याण निदेशालय द्वारा संयुक्त रूप से किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत सरस्वती वंदना व एनएसएस गीत से की गई।

मुख्यातिथि प्रो. बी.आर काम्बोज ने कहा देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 2 अक्टूबर 2014 को स्वच्छता मुहिम की शुरुआत की थी, जिसका पहला चरण 2019 में समाप्त हुआ,

स्वच्छता विषय पर आयोजित एक दिवसीय एनएसएस कार्यशाला में 150 स्वयंसेवकों ने भाग लिया

जिससे देश की स्वच्छता मानकों में काफी सुधार देखा गया है। विशेष बात यह है कि एनएसएस स्वयंसेवक जगह-जगह स्वच्छता शिविर लगाकर व कार्यशाला आयोजित करके स्वच्छता की इस महत्वपूर्ण मुहिम को लगातार आगे बढ़ाकर आमजन तक स्वच्छता का संदेश पहुंचा रहे हैं। उन्होंने बताया कि स्वस्थ शरीर में स्वच्छ मन निवास करता है लेकिन आजकल युवा शक्ति को मानसिक स्वच्छता का विकास करने की जरूरत है। समाज में फैली कुरीतियों को दूर करने व समाज में सकारात्मक बदलाव लाने में युवा शक्ति का अहम रोल होता है। तभी युवा शक्ति के प्रयासों से समाज का उत्थान हो सकेगा। उन्होंने बताया कि एचएयू की एनएसएस ईकाईयों ने भी ग्राम, खंड, जिला, राज्य स्तर पर एनएसएस शिविर लगाकर स्वच्छता का संदेश दिया है।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय,
हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अमर उजाला	28.3.23	4	1-6

12वीं के बाद एचएयू में कृषि क्षेत्र में कॅरिअर के बेहतर मौके

अगले महीने शुरू होगी नामांकन प्रक्रिया, कृषि में स्नातक, विद्यार्थी तकनीकी शिक्षा के साथ-साथ कृषि प्रबंधन की कर सकते हैं पढ़ाई

माई सिटी रिपोर्टर

हिसार। आपने 12वीं की परीक्षा दे दी है और कृषि क्षेत्र में भविष्य की राह तलाशने के इच्छुक हैं तो हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय (एचएयू) आप के लिए एक बेहतर विकल्प हो सकता है।

इस विश्वविद्यालय के कैंपस में स्थित कॉलेजों में कृषि की सामान्य पढ़ाई के साथ-साथ कृषि इंजीनियरिंग, मत्स्य विज्ञान और कृषि प्रबंधन की भी पढ़ाई होती है। विश्वविद्यालय हर साल अपने छात्रों-प्रशिक्षुओं के साथ-साथ कृषि संबंधी नवीन स्टार्टअप भी शुरू करता है, जिससे रोजगार के अवसर बढ़ रहे हैं।

हरियाणा 55 फीसदी आबादी खेती पर ही निर्भर है। किसानों ने खेती की नई विधियों व तकनीकों को अपनाकर इस क्षेत्र में भी परिवर्तन लाया है। बागवानी व सब्जी की खेती से किसानों की आय बढ़ी है। तमाम ऐसे नौजवान सामने आए हैं, जिन्होंने कोरोना संकट के दौरान नौकरी छोड़ने के बाद कृषि क्षेत्र में नए प्रयोग कर सफलता की कहानी लिखी है। इसलिए अब कृषि क्षेत्र में भी रोजगार के नए अवसर बढ़ रहे हैं।

12वीं के बाद इन कोर्सेज में लें एडमिशन

बीएससी आनर्स एग्री कल्चर, बीएफएससी (बैचलर ऑफ फिशरीज साइंस), बीएससी कम्युनिटी साइंस, बीएससी आनर्स, एग्री बिजनेस मैनेजमेंट में इंट्रेंस टेस्ट की मेरिट के आधार पर नामांकन होगा। बीटेक (एग्रोकल्चर इंजीनियरिंग) में दाखिले हरियाणा राज्य काउंसिलिंग सोसायटी की तरफ से आयोजित ज्वाइंट इंट्रेंस टेस्ट के आधार पर होते हैं।

स्नातकोत्तर में भी होते हैं दाखिले

एचएयू के कृषि विश्वविद्यालय में एग्रीकल्चर इकनॉमिक्स एग्रोनामी, इंटोमोलॉजी, हार्टीकल्चर, जेनेटिक्स एंड प्लांट ब्रीडिंग, प्लांट पैथालॉजी आदि कोर्स में नामांकन होता है। इसके अलावा संस्थान के डिपार्टमेंट ऑफ बिजनेस मैनेजमेंट में एमबीए (जनरल) के अलावा एमबीए (एग्री बिजनेस) की भी पढ़ाई होती है।

अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन के बाद विदेश में शोध के खुले दरवाजे

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बीआर कांबोज ने बताया कि कृषि क्षेत्र में शोध के अवसर बढ़े हैं। संस्थान के वैज्ञानिकों ने गेहूं, सरसों, ज्वार, बाजरा, मक्का आदि फसलों की नवीन और उन्नतशील प्रजातियों की खोज की है, जिससे किसानों को सीधा लाभ मिल रहा है। फलों व सब्जियों की नवीन प्रजातियां व बीमारियों का उपचार खोजने में भी इस संस्थान के वैज्ञानिकों को सफलता मिली है। फरवरी में जलवायु परिवर्तन पर अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन के बाद अब दुनिया के कई देशों में होने वाले शोध का आदान-प्रदान भी होने लगा है।